महासागरों एवं महाद्वीपों का वितरण

परिचय

पृथ्वी की सतह **महाद्वीपों और महासागरों** से मिलकर बनी है। पृथ्वी की लगभग **71% सतह जल** से तथा **29% सतह स्थल** से ढकी हुई है। स्थल और जल का असमान वितरण पृथ्वी की जलवायु, मौसम, महासागरीय धाराओं तथा मानव जीवन को प्रभावित करता है।

महाद्वीप

अर्थ

महाद्वीप पृथ्वी का विशाल स्थलीय भाग होता है, जो महासागरों या समुद्रों से घिरा होता है।

पृथ्वी पर **सात महाद्वीप** हैं:

- एशिया
- अफ्रीका
- उत्तरी अमेरिका
- दक्षिणी अमेरिका
- अंटार्कटिका
- यूरोप
- ऑस्ट्रेलिया

एशिया सबसे बड़ा तथा ऑस्ट्रेलिया सबसे छोटा महाद्वीप है।

प्रमुख महासागर

पाँच महासागर

पृथ्वी पर **पाँच प्रमुख महासागर** हैं:

- प्रशांत महासागर
- अटलांटिक महासागर
- हिन्द महासागर
- दक्षिणी महासागर
- आर्कटिक महासागर

प्रशांत महासागर सबसे बड़ा और सबसे गहरा महासागर है, जबकि **आर्कटिक महासागर** सबसे छोटा है।

स्थल एवं जल का वितरण

गोलार्धों में वितरण

पृथ्वी पर स्थल और जल का वितरण समान नहीं है।

- **उत्तरी गोलार्ध** में स्थल भाग अधिक है।
- **दक्षिणी गोलार्ध** में जल भाग अधिक है, इसलिए इसे **"जल गोलार्ध"** भी कहा जाता है।
- अधिकांश महाद्वीप उत्तरी गोलार्ध में स्थित हैं।
- दक्षिणी गोलार्ध में महासागरों का विस्तार अधिक है।

महाद्वीपीय विस्थापन सिद्धांत

सिद्धांत

महाद्वीपीय विस्थापन सिद्धांत का प्रतिपादन **अल्फ्रेड वेगेनर** ने **1912** में किया।

इस सिद्धांत के अनुसार:

- सभी महाद्वीप पहले **पैंजिया (Pangaea)** नामक एक विशाल भू-भाग का हिस्सा थे।
- पैंजिया के चारों ओर **पैंथालासा (Panthalassa)** नामक विशाल महासागर था।
- लगभग **20 करोड़ वर्ष पहले** पैंजिया टूटना शुरू हुआ।
- धीरे-धीरे महाद्वीप अपने वर्तमान स्थानों पर पहुँच गए।

पैंजिया का विभाजन

लॉरेशिया और गोंडवानालैंड

बाद में पैंजिया दो बड़े भू-भागों में विभाजित हो गया:

- **लॉरेशिया (Laurasia)** – उत्तरी भाग
- **गोंडवानालैंड (Gondwanaland)** – दक्षिणी भाग

इन्हीं से वर्तमान महाद्वीपों का निर्माण हुआ।

महाद्वीपीय विस्थापन के प्रमाण

मुख्य प्रमाण

वेगेनर ने अपने सिद्धांत के समर्थन में निम्न प्रमाण दिए:

- महाद्वीपों की तटरेखाओं का मेल
- समान शैल संरचनाएँ
- जीवाश्मों की समानता

- हिमानी निक्षेप
- समान प्राचीन जलवायु के प्रमाण

प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत

प्लेटों की गति

महाद्वीपों की गति की आधुनिक व्याख्या **प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत** द्वारा की जाती है।

इसके अनुसार:

- पृथ्वी का स्थलमंडल कई विवर्तनिक प्लेटों में विभाजित है।
- ये प्लेटें एस्थेनोस्फीयर पर धीरे-धीरे गतिशील रहती हैं।
- प्लेटों की गति से भूकंप, ज्वालामुखी और पर्वत निर्माण होता है।

महासागरीय तल

महासागरीय स्थलाकृतियाँ

महासागर के तल पर कई महत्वपूर्ण स्थलरूप पाए जाते हैं:

- महाद्वीपीय शेल्फ
- महाद्वीपीय ढाल
- गहरे समुद्री मैदान
- मध्य-महासागरीय पर्वतमाला
- महासागरीय गर्त

इनका निर्माण भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं से होता है।

महासागरों का महत्व

महत्वपूर्ण कार्य

महासागर:

- वैश्विक जलवायु को नियंत्रित करते हैं।
- वर्षा को प्रभावित करते हैं।
- समुद्री जीवों का आवास हैं।
- खाद्य संसाधन प्रदान करते हैं।
- अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देते हैं।
- ऊर्जा का स्रोत हैं।
- कार्बन डाइऑक्साइड का अवशोषण करते हैं।

महाद्वीपों का महत्व

मुख्य कार्य

महाद्वीप उपलब्ध कराते हैं:

- मानव बस्तियों के लिए भूमि
- कृषि भूमि
- खनिज संसाधन
- वन
- उद्योग
- परिवहन नेटवर्क

ये मानव जीवन और आर्थिक विकास के आधार हैं।

असमान वितरण के प्रभाव

जलवायु पर प्रभाव

महासागरों और महाद्वीपों का असमान वितरण निम्न को प्रभावित करता है:

- तापमान
- वर्षा
- पवन प्रणाली
- महासागरीय धाराएँ
- जैव विविधता
- मानव बस्तियाँ

तटीय क्षेत्रों में सामान्यतः **सम जलवायु** होती है, जबकि आंतरिक क्षेत्रों में **अधिक तापांतर** पाया जाता है।

मुख्य बिंदु

- पृथ्वी की **71% सतह जल** तथा **29% सतह स्थल** है।
- पृथ्वी पर **सात महाद्वीप** और **पाँच महासागर** हैं।
- एशिया सबसे बड़ा महाद्वीप है।
- प्रशांत महासागर सबसे बड़ा महासागर है।
- उत्तरी गोलार्ध में स्थल अधिक है।
- दक्षिणी गोलार्ध में जल अधिक है।
- अल्फ्रेड वेगेनर ने महाद्वीपीय विस्थापन सिद्धांत दिया।
- पैंजिया प्राचीन महाद्वीप था।
- प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत महाद्वीपों की गति की व्याख्या करता है।
- महासागर जलवायु, वर्षा और व्यापार को प्रभावित करते हैं।
- महाद्वीप मानव जीवन और संसाधनों का आधार हैं।

अध्याय सारांश

पृथ्वी की सतह महाद्वीपों और महासागरों से मिलकर बनी है, जिनका वितरण असमान है। लगभग 71% भाग जल तथा 29% भाग स्थल है। सात महाद्वीप और पाँच महासागर पृथ्वी की जलवायु, मौसम, व्यापार और जीवन को प्रभावित करते हैं। अल्फ्रेड वेगेनर ने महाद्वीपीय विस्थापन सिद्धांत प्रस्तुत किया, जिसके अनुसार सभी महाद्वीप कभी पैंजिया नामक एक ही भू-भाग का हिस्सा थे। वर्तमान में प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत महाद्वीपों की गति की वैज्ञानिक व्याख्या करता है। स्थल और जल का असमान वितरण पृथ्वी की प्राकृतिक एवं मानवीय गतिविधियों को गहराई से प्रभावित करता है।